THE DEPUTY CHAIRMAN: I did not hear any noise. You were very kind to the Baby... (*Interruptions*).. We are discussing a very serious Bill Mr. Narayanasamy, there is one more minute.

SHRI V. NARAYANASAMY: All right, Madam. So far as welfare fund and pension fund for aged persons are concerned, it is a very good idea because most of them do not get support from their sons and daughters. Regarding implementation of the provisions of the Bill, the Central Government can share most of the expenditure on account of giving gratuity and pension and the State Governments can also contribute to some extent. This will remove social discrimination which the agricultural labourers are suffering for a long time, I think, right from the days of independence to till this day.

I also submit that the penal provision that has been provided in this Bill may be removed and the landlords should be given proper education for cooperating with the Government so that they can come forward to give minimum wages fixed by the Government. I quite agree with the hon. Member, Shri Balramji that the conditions of agricultural labourers have to be improved and the social stigma that is haunting them. The agricultural labourers who are living below the poverty line do not raise their voice in the society. They simply accept whatever wages they are given. They do not know what is happening around the world and even around themselves. That being the case, it is the Government that should take up the responsibility of streamlining the system of agricultural labourers and also the hours of work. The very important aspect is that, the persons who work for more than 12-13 hours, are paid lesser wages in some of the States. The Minister will agree with me that the agricultural labourers are being treated as slaves. They work as bonded labourers with landlords and they get only a thousand of rupees for which they are compelled to work in the lands as bounded labour. Most of the voluntary organisations have pointed out this thing. This is a very serious matter.

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is 5 O'clock.

SHRI V. NARAYANASAMY: I will take 10 minutes more.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You may speak next time. The Bill is not going to lapse.

Now, we have to take up the statement by the Home Minister.

STATEMENT BY MINISTER

Incident of fire in Shastri Bhavan

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री सुबोध कान्त सहाय : उपसभापति महोदया मैं 3 मई 1990 को सुबह शास्त्री-भवन में लगी आग की घटना के विषय में इस सम्माननीय सदन के माननीय सदस्यों को सूचित करता हूं कि प्रात: लगभग 7.00 बजे दिल्ली अग्नि शमन सेवा के नियंत्रण कक्ष मे सूचना प्राप्त हुई कि शास्त्रीभवन मे आग लग गई है । नजदीकी दमकल क्षेत्रों से घटना स्थल पर तत्काल अग्नि शमन वाहन भेजे गए । प्रारंभ मे आग को मध्यम समझा गया, लेकिन बाद मे यह गंभीर दर्जे की घोषित की गई । शास्त्री-भवन को और कुमुक भेजी गई । आग पर प्रात: 8.00 बजे शीघ्रता से काबू पा लिया गया ।

श्री जगेश देसाई (महाराष्ट्र) : यह जो स्टेटमेंट की कापी दी है, इसमे तो पहले सीरियस बताया है ।

श्री सुबोध कान्त सहाय : इसको करेक्ट कर लिया जाय । सिर्फ यही एक करेक्शन है ।

आग बुझाने के कार्य में 36 अग्निशमन इकाइयां लगी हुई थी तथा अग्निशमन कर्मचारी स्थिति पर काबू पाने में सफल हुए । दिल्ली अग्निशमन सेवा का एक

[श्री सबोध कान्त सहाय]

कार्मिक इमारत की दूसरी मंजिल से गिरने से गंभीर रूप से जख्मी हो गया । उसे डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल मे भर्ती किया गया ।

बताया जाता है कि आग शास्त्री-भवन परिसर की दूसरी मंजिल के एफ विंग में एक कमरे से लगनी शुरु हुई, जिसमे पुरानी फाइलें, फर्नीचर इत्यादि रखे हुए थे । कमरे मे लगे पार्टीशन से आग अधिक फैली और आग बुझाने में भी काफी कठिनाई हुई । पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने मे भारतीय दण्ड संहिता की धारा 436 के तहत एक मामला प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 163 दर्ज किया गया ।

सरकारी भवनों में आग लगने की अनेक घटनाओं को ध्यान मे रखते हुए मैंने संबंधित अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया । पुलिस आयुक्त, दिल्ली को निर्देश जारी किया गया है कि अन्य जांच पड़ताल आसूचना अधिकारियों के साथ परामर्श करके मामलों की जांच पड़ताल वरिष्ठ अधिकारियों के पर्यवेक्षण मे की जाय ।

जैसा कि माननीय सदस्यों को पता है कि विज्ञान भवन में लगी आग के कारणों का पता लगाने तथा स्थिति से निपटने मे दिल्ली अग्निशमन सेवा की तत्परता और कुशलता की जांच करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति पहले ही गठित की जा चुकी है। सरकारी भवनों में स्थित मंत्रालयों/विभागों को इस आशय के निर्देश जारी किए गए हैं कि वह सुनिश्चित करें कि अग्नि निवारक उपाय पर्याप्त ही नहीं, अपितु प्रभावकारी ढंग से कार्य भी कर रहे हों। इसके अतिरिक्त गलियारों में अनधिकृत रूप से बने हुए लकड़ी के सभी केबिन, फर्नीचर, अलमारियों, बरामदों, सीढ़ियों तथा लिफ्ट लाबियों इत्यादि में आने-जाने मे रुकावट पैदा करने वाली वस्तुओं को तुरन्त हटा दिया गया क्योंकि इससे न केवल आग लगने का खतरा होता है बल्कि आग बुझाने के कार्य में व्यवधान भी पदा होता है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now I have received 18 names for seeking clarifications.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Most of them are not present. But Madam, this matter is very important.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What I am trying to say is that I have 18 clarifications. So ask just questions and do not make speeches because we have the Special Mentions and the Members are again unhappy. Shrimati Jayanthi Natarajan. Not present.

उपसभापति : डा० रत्नाकर पाण्डेय। पाण्डेय जी केवल सवाल पूछिएगा ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : केवल सवाल पूछूंगा, माननीया, । सबसे पहला सवाल यह है कि यह सरकार जबसे आई है, भारत सरकार, सन 1947 के बाद से आग में इस तरह से सरकारी दफ्तर, झुग्गी-झोंपड़ियां कभी नहीं जली थीं ।

श्री सुबोध कान्त सहाय : पाण्डेय जी, माफ कीजिएगा, मैं आजादी के बाद पैदा हुआ ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : तो कुछ लगता है कि इस सरकार का पौरा ऐसा आया है कि आग और खून दो चीजें देश में दिखाई पड़ रही हैं और दिल्ली मे तो यह तय हो चुका है कि आतंकवादी आ चुके हैं । ... (**व्यवधान**) ...

उपसभापति : यह सवाल है कि यह आपका ब्यौरा है ? सवाल पूछ लीजिए ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, आप तो एक सेन्टेंस भी नहीं बोलने देती ।

उपसभापति : सवाल पूछ लीजिए कि क्या वजह है ?

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैं जानना चाहता हूं, बिना भूमिका के, मैडम, सवाल क्या पूछें ।

उपसभापति : भूमिका न बनाइए, कृपया सवाल पूछिए । मेरे पास 16-17 नाम हैं ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : हमारी दिल्ली में ही आग नहीं लग रही है, बम्बई में भी लगी, अनेक स्थानों पर लगी । तो मैं पहले तो यह जानना चाहता हूं कि क्या सुनियोजित ढंग से कुछ अराष्ट्रीय तत्व, अवांछनीय तत्व और ऐसे तत्व जो जमीन का कब्जा करने मे विश्वास करते हैं झुग्गी-झोंपड़ियों को भूनकर के, ऐसे तत्व इसमें विद्यमान हैं या नहीं ? मंत्री महोदय यह न कहें कि मैंने कमेटी बैठा दी है क्योंकि कल का दृश्य जो है, हमारे राज्य सभा के माननीय नेता ने तीन तरह का स्टेटमेंट दिया इस आग लगने के विषय में कि आग शास्त्री भवन मे लगी, आग कृषि भवन में लगी और फिर कहा कि शास्त्री भवन मे लगी । मंत्री महोदय की स्टेटमेंट मे भी 7.00 बजे का टाइम दिया गया है, जबकि अखबारों मे जो अग्नि शमन के चीफ हैं, उनका वक्तव्य आया है कि 7 बजकर 7 मिनट पर हमें सूचना मिली है ।

उपसभापति : इन्होंने लगभग कहा है। चलिए, आपने पूछ लिया ? सवाल हो गया ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकारी कार्यालयों को जिस तरह से सुनियोजित ढंग से आग लग रही है, विज्ञान भवन , जो हमारा प्रेस्टिजियस सभा कक्ष था राष्ट्र का, उसमे आग लगी, तो उसके पीछे जो ऐसे तत्व हैं, जो इस राष्ट्र मे तोड़-फोड़ मचाना चाहते हैं, उन पर सरकार का ध्यान है कि नहीं और उन पर क्या कार्रवाई की गई है ?

दूसरा, जो फाइल्स हमारी जली हैं, वह सरकार के डाक्यूमेंटस हैं और इसमें लिखा गया है कि पुरानी फाइलें थीं, फाइल नई हो या पुरानी हो, सरकारी डाक्यूमेंट हैं । मै जानना चाहूंगा कि कौन-कौन सी सरकारी डाक्यूमेंटस जले हैं और इस आग के पीछे कौन से कारण थे ? यह भी करता है इस बात को कि हमारी सरकारी फाइलों के रखने की व्यवस्था इस तरह की नहीं है कि उसमे आग अगर लगती है तो जलकर राख हो जाती है । सरकारी डाक्यूमेंटस जो हैं, राष्ट्र की प्रापर्टी हैं और उसमे इस तरह से आग लगे कि जलकर के राख हो जाए, तो यह उचित नहीं प्रतीत होता है ।

तीसरा सवाल, मैडम, जो अग्नि शमन सेवा का बहादुर कर्मचारी अपना कर्त्तव्य पूरा करते हुए घायल हुआ है, उसकी सेवा-सुश्रषा के लिए क्या व्यवस्था आपने की है ? जिस तरह से आग लग रही है और अलर्ट होकर के हमारे दमकल विभाग, अग्नि शमन सेवा के लोग काम कर रहे हैं, उनको पुरस्कृत करने के लिए आपकी सरकार से क्या किया है और क्या आपकी सरकार यह आश्वासन देगी कि भविष्य में केन्द्रीय सरकार के किसी भी भवन में आग न लगेगी ? इसके लिए अग्नि शमन सेवा के जो परामर्श हैं, उनके अनुसार क्या प्रीकाशंस आप ले रहे हैं और कब तक ले रहे हैं और रिपोर्ट इसकी कब तक सदन के सामने, जो जांच आप बिठाएंगे, रख दी जाएगी ? इसको आपको तो टाइम बाउन्ड करना चाहिए ।

उपसभापति श्री कपिल वर्मा। कपिल जी आप तो सवाल ही करते हैं

SHRI KAPIL VERMA (Uttar Pradesh): Madam, there is a scare of bomb blasts in police statons, jhuggi-jhompris and three buildings have been burnt, Shastri Bhavan partially. My first question is whether the Government suspects any sabotage behind this because this appears to be very well planned. This is the third building after. Vigyan Bhavan and Nirman Bhavan. Even the police officers were of the view that the fire started in the previous evening or night and only after it spread, they came to know about it. So, it is a case of sabotage because the police also suspects sabotage. A case has been filed under section 436 of IPC which deals with arson, negligence and sabotage. The police

[Shri Kapil Verma]

also suspects sabotage and there is also a wide-spread suspicion because there have been bomb blasts in buses, police stations and other places. So, the first question that I want to ask is whether the Government considers this as a case of sabotage.

The second thing is that, according to certain authoritative sources, two Additional Secretaries of the Urban Development Ministry inspected this building much earlier and the Chief Fire Officer also accompanied them and they gave certain directions. Since you are limiting our time, I am not reading out the details now. But I would just say that they gave certain instructions for clearing of the staircases, exist points, removal of furniture, etc. All these things were known because open wires were there and the danger of fire was there. But the authorities concerned did not act and take adequate precautionary measures, particularly after the Vigyan Bhavan incident. Will the Government find out who is responsible for this and take action against those officials responsible for this because this is really a very serious situation?

Thirdly, there are 156 such buildings half of which are Government buildings which are under the threat of fire.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You made a Special Mention on that, I think.

SHRI KAPIL VERMA: Yes. But today's papers have said that the Minister has said that they will give time and if they do not comply with the Government's orders, the buildings will be sealed. Even Mr. Buta Singh had said that the buildings would be sealed. But his Secreary, said that they could not seal the buildings unless alternative accommodation was given. Some of these buildings are very big. In this connection, I want to know one thing from the Government. He says that time will be given to them to vacate. Already time has been given. I do not know whether the Minister knows this. This has been going on for the last one year and they have been asking for time. I would like to know what the Government is going to do. When they give time and after the expiry of that period what is the alternative accommodation that they are going to give for the shifting of the offices?

Lastly, what steps is the Government going to take to prevent recurrence of such incidents of fire? Thank you, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, Dr Abrar Ahmed Khan.

डा० अबरार अहमद खान (राजस्थान): मैडम, यह जो वक्तव्य दिया गया है; तो दिल्ली में ही शास्त्री भवन में ही आग नहीं लगी है, हजारों झुग्गियां जलकर राख हो गई हैं, हजारों लोग बेघर हो गए हैं, सदर बाजार में करोड़ों रुपए का नुकसान हो चुका है, सैकड़ों दुकानें जली हैं। जो हमारा विज्ञान भवन, इस हिंदुस्तान में एक ही भवन इस प्रकार का था जहां इतनी बड़ी कान्फ्रेंसेज हो सकती थीं, वह जलकर राख हो गया है और उसके अलावा शास्त्री भवन की भी आग पहली आग नहीं है। जब विज्ञान भवन में आग लगी थी, उस समय भी यहां आग लगी थी और 15 दिन भी नहीं हुए और दोबारा आग लगी। हम यह चाहते थे और हमने यह मांग भी की थी इन सब बातों का जिक्र मंत्री जी के वक्तव्य में आया। अगर इन बातों का जिक्र आता तो ज्यादा अच्छा होता। हम माननीय मंत्री जी के वक्तव्य के माध्यम से यह जान पाते कि क्यों इन झुग्गी-झोंपड़ियों में इतनी बार लगातार आग लगी है? कौन से माफिया गिरोह इसके पीछे हैं और पीछे थे? कौन से लोग इस षड्यंत्र में शामिल हैं जो गरीब लोगों को घर से बेघर कर रहे हैं।

इसके साथ ही साथ जो आग यहां शास्त्री भवन में लगी और जिसके बारे में माननीय मंत्री जी ने वक्तव्य दिया, मैं उस संदर्भ में यह जानना चाहता हूं कि शास्त्री भवन की इस आग में और पिछली

जितनी भी आगे लगी हैं, उनमें कितनी आर्थिक हानि हुई है और कितनी जान-माल का नुकसान हुआ है? इसके साथ ही साथ अभी जैसा रत्नाकर जी ने कहा, जो फ़ाइलें शास्त्री भवन में जली हैं, क्या उनमें बहुत महत्वपूर्ण फाइलें भी जली हैं या सिर्फ़ रद्दी ही जली हैं? मंत्री जी इस बारे में स्पष्ट रूप में बताएं क्योंकि इसके पीछे एक गहरे षड्यंत्र का आभास होता है और इसके साथ ही साथ वह यह बताएं कि क्या अब तक कुछ पता लगा है कि शास्त्री भवन में जो आग लगी थी, वह किस कारण से लगी थी?

अंत में मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि आज ना सिर्फ़ दिल्ली की आग के कारण दिल्ली की जनता ही चिंतित है बल्कि सारे देश की जनता चिंतित है। तो वह इस देश की जनता को किस रूप में आशान्वित करना चाहते हैं और किस रूप में विश्वास दिलाना चाहते हैं कि भविष्य में अब कोई आग नहीं लगेगी? साथ ही मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इन आग की घटनाओं को रोकने के लिए कौन से ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जिससे लोगों में यह विश्वास पैदा हो सके कि बाजारों में, सरकारी भवनों, कार्यालयों में अब आग नहीं लगेगी? धन्यवाद।

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam Deputy Chairman, the statement by the Minister is cryptic. It has not given the actual incident that took place in Shastri Bhavan. Madam, most of the information that has been reported in the Press and the statement given by one of the Deputy Commissioners of Police is more informative than the statement given by the hon. Minister. Madam, it is admitted by the Government that most of the Government departments are not adequately equipped with fire safety measures. Madam, when there was fire in Kanishka, the Fire Officer who conducted the inquiry gave a clear finding that most of the Government buildings are unsafe and immediate measures may be taken by the Government. Even after seeing the fires taking place in selective Government departments, the Government has not taken any positive steps. Madam, the very palatial building, which was the honour of this country, Vigyan Bhavan, was gutted by fire. And the Government comes up with the theory that an inquiry is on. They think that when an inquiry is ordered, their job is over.

उपसभापति : कृपया सवाल करिये।

SHRI V. NARAYANASAMY: I am coming to it. Madam, is it a fact that the telehone caller who telephoned to the Police Department and who identified his name as Joshi, refused to give his telephohe number when he gave the information? Secondly, Madam, the Deputy Commissioner, Mr. Neogi, has stated that the fire was noticed even on the previous day evening. But the Minister's statement is silent about it. Therefore, I would like to know whether there was information that the fire was noticed even on the previous day. Moreover, Madam, we go to Ministries to meet the Ministers for our State problems. And there we find on the corridors papers being burnt. It is unsafe. That we have seen in most of the Government departments.

Madam, after the National Fron Government took over, fires are takin place not only in Government depart ments but also in jhuggis. Madan what is the Intelligence Department doing? What is their Special Branch doing? Is it a terrorist activity? Or is it a sabotage? (*Time bell rings*).

Madam, I am of a very important aspect. I will not take more than half a minute. Was there any sabotage? A series of fires are taking place. They should apply their mind and see whether there is any sabotage taking place. This is happening only in selected Government Departments. What is the motive behind it? Are the fires taking place and the files being burnt because the persons involved want to escape responsibility? These are the things which the Government has to

[Shri V. Narayana Sawmy]

see. The Minister said that he has ordered that the wooden partitions should be removed. I am quite surprised. Does he feel that if that wooden partitions are removed, the fires will be put off? I take strong exception to the statement of the hon. Minister. He is not giving complete information to the House. Therefore, I want the Minister to give clarifications on three points. Did the telephone-caller give his telephone number? The Deputy Commissioner of Police said that the fire was noticed even the previous evening. Is it correct? Is there any sabotage suspected? These are the three points on which I would like to have information.

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर (मध्य प्रदेश): आदरणीय उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो उन्होंने स्टेटमेंट दिया है उसमें सिर्फ़ शास्त्री भवन की आग की चर्चा की है, क्यों नहीं पीछे जिन झुग्गियों में आग लगी है या दूसरे भवनों में आग लगी है उसकी चर्चा की गई? वैसे तो जब से यह सरकार बनी है तब से यह देश जलना शुरू हो गया है। न केवल दिल्ली बल्कि मध्य प्रदेश भी जल रहा है, कान्हा का जो पार्क है वह समाप्ति की ओर है। लेकिन दुख की बात है कि सरकार का ध्यान इस ओर नहीं गया है! क्योंकि समय कम है इसलिए मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या झुग्गियों में माफ़िया काम कर रहा है? ऐसी मेरी सूचना है। इनको खुद मालूम करना चाहिए कि यह जो तोड़-फ़ोड़ है इसमें किसी माफ़िया के गैंग का हाथ है क्योंकि बहुत सी आशंकाएं अखबारों के द्वारा व्यक्त की गयी हैं। इन माफ़िया गैंग के कई लोग अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए इस तरह झुग्गियों में आग लगाते हैं। वे उन लोगों की चिंता नहीं करते जो वहां रह रहे हैं। उनका नुकसान होता है।

दूसरे मैं जानना चाहता हूं कि ऐसे कितने सरकारी भवन हैं जो आग की दृष्टि से असुरक्षित हैं, जैसा कि कपिल वर्मा जी ने पूछा है। तीसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि कितने फ़ायर स्टेशन दिल्ली में अभी कार्यरत हैं और पिछले समय जो कमेटी बनी थी उसमें और कितनों की आवश्यकता महसूस की गयी? चौथा मेरा प्वाइंट यह है कि कितने कर्मचारी आग बुझाने का काम करते हैं और उनको कितने घंटे तक काम करना पड़ता है? क्योंकि मेरी जानकारी है कि इन कर्मचारियों को मजबूर हो कर 72 घंटे तक काम करना पड़ता है। अंदाजा लगाइये कि अगर कोई व्यक्ति लगातार 72 घंटे काम करेगा तो उसकी क्या हालत होगी। वह भूल जाता होगा अपने खाने को भी, अपने पर्सनल दुखदद को भी। हम को इसके ऊपर सोचना चाहिए। एक बार तय किया गया था कि ज्यादा से ज्यादा विषम परिस्थितियों में उनसे 48 घंटे तक काम लिया जाएगा लेकिन अभी भी यह स्थिति है कि कर्मचारियों की संख्या कम होने के कारण, उन्हें 72 घंटे काम करना पड़ रहा है। इसके लिए मंत्री जी क्लेरिफ़िकेशन दें।

इसके साथ मैं यह जानना चाहता हूं, जैसा कि सभी हमारे साथियों ने पूछा है कि क्या इसमें कोई तोड़-फ़ोड़ के षड़यंत्र का शक उनको हुआ है? अगर हुआ है तो क्या उनको इस बात का अंदाजा है कि जो तोड़-फ़ोड़ करने वाले हैं उनकी निगाह सिर्फ़ दिल्ली में आग लगाने तक ही नहीं है, एक अखबार के माध्यम से मैंने जाना है कि भाभा ऐटोमिक एनर्जी केन्द्र पर भी तोड़-फ़ोड़ करने का षड़यंत्र है? क्या आपकी निगाह इन सारी परिस्थितियों पर है? कृपया आप इन सब का जवाब देने का कष्ट करें। धन्यवाद।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार): उपसभापति महोदया, मंत्री महोदय ने जो शास्त्री भवन में आग लगी है उसके बारे में बयान दिया है। इनको पहले पता था कि निर्माण भवन और शास्त्री भवन में आग लगनी है क्योंकि जब विज्ञान भवन जैसा भवन जल सकता है, वह विज्ञान भवन इंटरनेशनल स्टेन्डर्ड

मद्देनजर रखते हुए बनाया गया था और वह इंटरनेशनल स्टेंडर्ड चोगम और नेम के डेलीगेट्स को ऐकमोडेट करने के लिए बनाया गया था और उसकी सेक्यूरिटी को मददेनजर रखते हुए शॉर्ट सर्किट का भी उसमें ध्यान रखा गया था। उसमें अगर आग लग सकती है तो दिल्ली शहर की कोई भी बिल्डिंग जल सकती है।

शास्त्री भवन के बारे में सोचने से पहले हमें सोचना चाहिए कि विज्ञान भवन में क्या हुआ? अभी तक जितनी घटनायें घटी हैं उनके बारे में मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या इसमें भी कोई रिमोट कंट्रोल डिवाइस के थ्रू आग लगाई जा रही है, इस पर गौर किया गया है या नहीं, क्योंकि पिछले दिनों जो बम घटनायें घटी थीं उसमे दिल्ली पुलिस का यह बयान आया था कि बम की घटनाओं में भी रिमोट कंट्रोल टाइमर यूज किया गया है और जिस तरह के ऐक्सप्लोसिव पाये गये हैं वह आर०डी० एक्स० एक्सप्लोसिव हमारे मुल्क में नहीं बनते हैं, उसमे माइक्रो टाइमर यूज किया गया है जिसका अंश नही मिला और बेलास्टिक वेल्यू दस हजार मीटर पर सेकेण्ड है। इतना पावरफुल आर०डी०एक्स० एक्सप्लोसिव यूज किया गया है बिल्डिंग मे आग लगाने के लिए या कोई रिमोट कंट्रोल टाइमर यूज किया गया है, क्या इस पर विचार किया गया है या कोई मीटिंग की गई है, ध्यान दिया गया है या नही? दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि इसके पहले सिद्धार्थ कंटेनेंटल होटल और अंसल भवन में आग लगी थी तो भारत सरकार और दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन ने एक कमेटी बैठाई थी जिस कमेटी ने रिकमेंडेशन्स दी थी और उन रिकमेंडेशन्स को मददेनजर रखते हुए हमारी दिल्ली में जो हाई राइसिंग बिल्डिंग हैं, आफिसेज हैं, उनमें फायर फाइटिंग के लिए क्या व्यवस्था की गई है? विज्ञान भवन, निर्माण भवन और शास्त्री भवन में आग लगने की घटनाओं के बारे में अखबारों में जो छपा है उससे दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन बहुत चिन्तित है और इस पर ओपीनियन भी ली जा रही है तथा राष्ट्रपति भवन और प्रधान मंत्री के निवास स्थान को आग से कैसे बचाया जा सकता है, उसके लिए कोई सेफ स्थान ढूंढा जा रहा है? मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि इन आगजनी की घटनाओं को देखते हुए क्या प्रेजीडेन्ट हाउस और प्राइम मिनिस्टर हाउस के बारे में कुछ सोचा जा रहा है या नहीं? आप इस बारे में क्या सोच रहे हैं और क्या आपने इन दोनों स्थानों का मुआयना किया है? इसके साथ साथ अमेरिका से अमानुल्ला सीरियस थ्रेट दे रहा है और श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह को ही नहीं, श्री राजीव गांधी को भी दे रहा है तो क्या आपने 10, जनपथ का भी मुआयना किया है या नहीं किया है, यह बताइये।

श्री सीताराम केसरी (बिहार): महोदया, अपने नवजवान गृह राज्य मंत्री के वक्तव्य को मैंने पढ़ा है। प्रश्न यह नहीं है कि आग बुझी है या आग लगी। प्रश्न यह है कि आग क्यों लगी और क्यों लग रही है? उन भवनों में क्यों लग रही है जो सिर्फ राष्ट्रीय सम्पत्ति नहीं हैं, सरकारी सम्पत्ति नहीं है, उनके पीछे एक बहुत बड़ा इतिहास भी है, उनका राजनैतिक महत्व भी है। सिर्फ यह कह देने से कि बिजली की लाइन पर गड़बड़ी है या हम उसके लिए इंक्वायरी कर रहे हैं, इससे यह मसला हल नहीं होगा। चाहे किसी की भी राज्य व्यवस्था हो, यह विषय बड़ा गम्भीर है, सोचनीय है और चिन्तनीय है। श्री जेठमलानी जी मेरी ओर देख रहे हैं। उनका इस पर कुछ अपना विचार अलग हो सकता है। बीच में इसलिये बोल रहा हूं क्योंकि इनकी नजर इधर पड़ रही है।... (**व्यवधान**). आपकी नजर एक ऐसा प्रश्न है जिसे आप नहीं समझ पायेंगे।

मैं यह कहना चाहता हूं कि प्रेस में एक छोटा सा समाचार निकला था कि किसी आतंकवादी गुट ने यह स्वीकार किया है कि विज्ञान भवन में जो आग लगी उसकी जिम्मेदारी हम पर है। इस पर आपकी दृष्टि गई कि नहीं? अगर इस आग को सामान्य तरीके की इन्क्वायरी और छान-बीन के आधार पर देखियेगा तो मैं

[श्री सीताराम केसरी]

समझता हूं कि इसमें एक बहुत बड़ी गलती की संभावना है । यह आग एक ऐसी आग है जो दिल्ली को ही नहीं बल्कि सारे राष्ट्र को अपनी लपेट में ले सकती है । आज कश्मीर के मसले पर, पंजाब के मसले पर आतंकवादी जिस ढंग से आगे बढ़कर हत्यायें कर रहे हैं, इससे समस्या गंभीर होती जा रही है और दिन प्रति दिन और भी गंभीर होती जा रही है । समस्याओं के समाधान के संबंध में आपकी ओर से यह कहा जाता है और हमारी सरकार की तरफ से भी कभी कभी कहा जाता रहा है कि यह समस्या पहली सरकार की देन है । आप यह कहें कि यह समस्या पहले की है तो यह मसले के समाधान में अकर्मण्यता है । इस मसले को हल करने के लिए जनमत ने आपको यहां पर भेजा है । इसलिये मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि आप कौन सा फौलादी कदम उठा रहे हैं, यह सिर्फ विज्ञान भवन, शास्त्री भवन और कृषि भवन की अग्नि की बात नहीं है, यह एक ऐसी प्रज्वलित अग्नि है जो पूरे राष्ट्र को अपनी लपेट में लेने जा रही है और इसका समाधान अग्नि शमन से नहीं होने वाला है, इसके समाधान के लिए राजनैतिक समाधान की आवश्यकता है । इसलिये मैं चाहूंगा कि अपने नौजवान गृह मंत्री, जिन्होंने अभी कहा कि जिस समय की आप बात कर रहे हैं, अहलुवालिया जी के उत्तर में, उस समय मेरा जन्म भी नहीं हुआ था । यह ठीक है । लेकिन एक गुरुतर भार आपके कंधे पर आया है और यह आपकी योग्यता की सबसे बड़ी परीक्षा है यह मैं मानता हूं । आप एक यंग मैन युवक और जनाधार के प्रतिनिधि हैं और आपका सार्वजनिक जीवन रहा है । इसलिए राष्ट्रीय मसलों के समाधान में आपको हर तरह से ऊपर उठकर आना होगा और उनका समाधान करना होगा । इससे आपकी प्रतिष्ठा, आपकी प्रगति और आपका नाम और जस भी होगा ।

इन शब्दों के साथ मैं अपने प्रश्न को फिर दोहराता हूं कि इस अग्नि की लपेट सिर्फ सरकारी महल, विज्ञान भवन, कृषि भवन और शास्त्री भवन तक ही सीमित नहीं होगी । यह अपनी लपेट से सारे राष्ट्र को अपने गले से लगाकर धू धू करके जला सकती है, इतना ही मुझे कहना है ।

SHRI VISHVJIT P. SINGH (Maharashtra): Madam Deputy Chairman, I am very glad to see both Mr. Satya Pal Malik and Mr. Kamal Morarka here, because they can spring to the defence of the Minister whenever required like they did yesterday.

Madam, again, as I said yesterday, this statement shows the concern of the Government! We have been demanding a statement not just on the fires in the Bhavans but also on the fires in the *jhuggi-jhonpri* colonies. But the priority of this Government is such that they are not bothered about the *jhuggi-jhonpris* at all. They have ignored them. They do not want to make a statement.

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): This is not correct. (*Interruptions*).

SHRI VISHVJIT P. SINGH: This is absolutely correct. Don't I say, Madam, that they will spring to the defence of the Minister? I am sure, the Minister will reply to me, Mr. Morarka. Kindly do not interrupt. He is a competent Minister. Are you not, Mr. Minister? I am sure, you are. (*Interruptions*).

Now, they have given this statement. I would straightway come to my questions. My first question to the Minister is, is he going to order the removal of the partitions and the storing of files in the open shelves inside the rooms where there is a danger of fire? The hon. Minister says in his statement that almirahs etc. will be removed as they are a fire hazard. I say that you are going to clear the condors, but what about the fire hazard in the rooms? Are you going to do something about it or not.

My second question is, the fires in the Bhavans and in the *jhuggi-jhompris*

are connected through two connections and I will make those connections clear. The *jhuggi-jhompries* are on valuable land. The Bhavans contain the record rooms of those lands. The people who want to benefit from the clearance of that land, the unscrupulous elements, set fire to the *jhuggi-jhompris* and they set fire to the record rooms to remove all land records so that their criminal acts may be complete. They are criminals under the guise of land-developers. I would like to know from the hon. Minister how many records of the lands have been destroyed in these fires, not just in Shastri Bhavan fire, but in all these fires? And number two, how much land has been made clear through these fires? That is the first connection, as I said, between setting fire to the *jhuggi-jhompris* and setting fire to the record rooms.

The second question—and this is what is most important, Mr. Minister —I would like to ask the hon. Minister is this: Is it true, and I have it on very good authority that it is absolutely true, that one worker of a political party was found trying to set fire to the jhuggis and he was captured and handed over to the police, and he was a worker of the BJP? This puts an entidely different complexion on the whole thing. Was he caught or was he not, was he handed over to the police or not, was he a worker of the BJP or not? And if so, is it not true that the BJP is behind these fires? Thank you, Madam.

SHRI G. G. SWELL (Meghalaya): Madam, these fires in Delhi have been occurring with agonising frequency. More than a dozen fires in just over two weeks is incredible and unacceptable. And suddenly all these prestigious buildings seem to have become tinder boxes.

In the Minister's statement there are two sentences which give rise to ideas and suspicions. One sentence reads;

> "About about 7.00 A.M. a call was received at the Control Room of Delhi Fire Service that a fire had broken out in Shastri Bhavan."

Now 7 A.M. is a very early hour, especially for a Government office. From whom the call was received? Could he be the caretaker or any misguided person or member of the gang who had set fire and then informed the Delhi Fire Service?

The other sentence is: "The fire is reported to have started from the room in the 'F' Wing of the second floor of Shastri Bhavan Complex where old files, furnitures etc. were kept". It is quite easy to set fire to a room where so many files and papers are stored. It does not need to be a short circuit. Now I would like the Minister to share with us whether as a result of these fires—and there is no guarantee that more fires would not take place tomorrow—there is a strong suspicion that there is a pattern in these fires, it is an act of sabotage and there is a group of people who is behind these fires. Is the Government looking seriously into this matter? And there are reports in the press that the Government seems to be in panic, that they are looking for alternative accommodation for the Prime Minister and the

President and for other means of preserving the important documents of the nation. Is there any truth in this? These are the few questions I would like to put to the Minister.

श्री मोहम्मद अमीन (पश्चिमी बंगाल) : मोहतरमा डिप्टी चेयरमैन साहिबा, आग लगने की वारदातों के बारे में मंत्री जी ने जो बयान दिया है इससे तमाम बातें साफ़ हो नहीं पा रही हैं और जैसा कि दूसरे मेंबरों ने भी कहा कि निहायत ही कम अर्से में आगे लगने की इतनी सारी वारदातें यकीनन तशवीशनाक हैं और यह भी है कि बड़ी बड़ी इमारतों में भी आग लग रही है और झुग्गी-झोंपड़ियों में भी आग लग रही है। मैं यह पूछना चाहता हूं कि बड़ी-बड़ी इमारतों में आग से बचाव के कुछ तौर तरीके बने हुये हैं, क्या उन पर ठीक से अमल दरामद होता है, खासकर बिजली की वायरिंग की जो मियाद होती है कि इतने अर्से के बाद इसको बदल देना चाहिये इस पर अमल हो रहा है या नहीं, और आम-तौर पर देख-रेख का कोई इंतजाम है कि नहीं ? इसमें गैरेशकूक है कि इसके पीछे तकरीबी कार्यवाही भी हो सकती है लेकिन जाहिर है कि जब तक उसका सबूत नहीं मिल जाये किसी का नाम लेकर, किसी पार्टी का नाम लेकर इस तरह की बात कहना मुनासिब नहीं है। इसमें किसी सियासत का कोई दखल नहीं होना चाहिये । यह मुल्क की जायदाद है और सभी लोगों को इसके बारे में फ़िक्रमन्द होना चाहिये। यह बात ठीक है कि बहरहाल जिम्मेदारी हुकूमत की होती है और इसलिये इस मामले पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। हुकूमत ने ऐसे क्या इक्दामात किये हैं जिनसे यह पता चले कि बाकी जो सरकारी बिल्डिंगें हैं उनकी हिफ़ाजत के लिये यह किया है और जिन झुग्गी-झोंपड़ियों में आग लग गयी है जिससे बहुत सारे गरीब लोगों को नुकसान पहुंचा है – एक तो यह हमारी बदकिस्मती है कि हमारे मुल्क में अभी तक रोटी, कपड़ा और मकान का तमाम लोगों के लिये कोई इंतजाम नहीं हो सका है इसकी कोई गारन्टी नहीं है, लेकिन अगर किसी ने मेहनत मशक्त करके कोई झोंपड़ी बना भी ली और उसके बाद आग लग जाय तो फ़िर वह बचारा उजड़ जाता है, बेघर हो जाता है– इसलिये जिन झुग्गी-झोंपड़ियों में आग लगी थी उनमें रहने वालों के लिये राहत का कोई इंतजाम सरकार ने किया है या नहीं यह भी मैं जानना चाहता हूं और बड़ी इमारतों को आग से बचाने के लिये आइंदा क्या किया जायेगा यह वे बतायें।

†[شری محمد امین (پشچمی بنگال) : محترمہ ڈپٹی چیئرمین صاحبہ - آگ لگنے کی وارداتوں کے بارے میں منتری جی نے جو بیان دیا ہے - اس سے تمام باتیں صاف نہیں ہو پا رہی ہیں اور جیسا کہ دوسرے ممبروں نے بھی کہا کہ نہایت ہی کم عرصہ میں آگ لگنے کی وارداتیں یقیناً تشویشناک ہیں - اور یہ بھی ہے کہ بڑی بڑی عمارتوں

†[Transliteration in Arabic Script]

غریب لوگوں کو نقصان پہونچا ہے ۔ ایک تو یہ ہماری بدقسمتی ہے کہ ہمارے ملک میں ابھی تک روٹی کپڑا اور مکان کا تعلم لوگوں کیلئے کوئی انتظام نہیں ہرسکا ہے - اسکی کوئی گارنٹی نہیں ہے - لیکن اگر کسی نے محنت مشقت کرکے کوئی جھونپڑی بنالی ہے - اور اسکے بعد آگ لگ جائے - تو پھر بیچارہ اجڑ جاتا ہے - بے گھر ہو جاتا ہے - اسلئے جن جھوگی جھونپڑیوں میں آگ لگی تھی ان میں رہنے والوں کیلئے راحت کا کوئی انتظام سرکار نے کیا ہے یا نہیں یہ بھی میں جاننا چاہتا ہوں اور بڑی عمارتوں کو آگ سے بچانے کیلئے آئندہ کیا کیا جائے گا - یہ وہ بتائیں -

SHRI SHABBIR AHMAD SALARIA (Jammu and Kashmir): Madam Deputy Chairperson, the questions that arise from the statement are—No. 1. The statement says that a high-level committee has been appointed, but Parliament is not informed about the composition of that committee. It was expected of the honourable Minister that he would share that information with the Members of Parliament so that we could make suggestions. In any case, if that is not given, I would request the Minister to give the names of the persons who are on the high-level committee and also say whether any expert in the matter with regard to fire and electrical fittings—an electrical engineer—is associated with this committee or not. Secondly, the question which I would like to ask is that when the fire broke out in a number of jhuggis, some peole were reported to have been arrested. What is

میں بھی آگ لگ رہی ہے - اور جھگی جھونپڑیوں میں بھی آگ لگ رہی ہے - میں یہ پوچھنا چاہونگا کہ بڑی بڑی عمارتوں میں آگ سے بچاؤ کے کچھ طور طریقے بنے ہوئے ہیں - کیا ان پر ٹھیک سے عمل درآمد ہو رہا ہے - خاص کر بجلی کی وائرنگ کی جو میعاد ہوتی ہے - کہ اتنے عرصہ میں اس کو بدل دینا چاہئے - اس پر عمل ہو رہا ہے یا نہیں - اور عام طور پر دیکھ ریکھ کا کوئی انتظام ہے کہ نہیں - اسمیں شک نہیں کہ اسکے پیچھے تخریبی کاروائی بھی ہو سکتی ہے - لیکن ظاہر ہے کہ جب تک کوئی ثبوت نہ مل جائے کسی کا نام لیکر کسی پارٹی کا نام لیکر اس طرح کی بات کہنا مناسب نہیں ہے - اسمیں کسی سیاست کا کوئی دخل نہیں ہونا چاہئے - یہ ملک کی جائداد ہے اور سبھی لوگوں کو اسکے بارے میں فکر مند ہونا چاہئے - یہ بات ٹھیک ہے کہ بہرحال ذمیداری حکومت کی ہوتی ہے - اور اسلئے اس معاملے پر زیادہ دھیان دینے کی ضرورت ہوتی ہے - حکومت نے ایسے کیا اقدامات کئے ہیں کہ جن سے پتہ چلے کہ باقی جو سرکاری بلڈنگیں ہیں - انکی حفاظت کیلئے یہ کیا ہے - اور جن جھوگی جھونپڑیوں میں آگ لگ گئی ہے - جس سے بہت سارے

the result of that investigation and interrogation? What has come out of that? Whether that information is of any value, has not been divulged. Thirdly, I would like to ask the honourable Minister—and that is wanting in his statement—is it correct that the persons who live in the *jhuggis* and whose areas were gutted in the fire, have been evicted therefrom as a result of the fire? Now they are homeless, and they have not been rehabilitated. I want to know whether the Government has anything in mind with regard to their rehabilitation whether they would be rehabilitated on those very lands or elsewhere. Since a pattern is seen. I would suggest that the rehabilitation of those people should take place on those very lands so that others are frustrated in taking these steps in future.

One more question arises. The hon. Minister has said that there are fire hazards in the buildings and that we want to have efficient fire-extinguishing arrangements. That is to say that there was no such arrangement so far. Would he also kindly look into the question, if such an arrangement has not existed so far, who is at fault and whether steps would be taken to see that it does not happen again and that proper fire-extingunishing arrangements are made?

The information with regard to the FIR is incomplete. It says that the FIR has been registered. But Parliament is not being told the names of the accused in the FIR and other particulars of that FIR. So, the statement is very much wanting. I would request the hon. Minister that this may kindly be given.

SHRI JAGESH DESAI: Madam Deuty Chairman, after this fire there was another fire in jhuggi-jhonpris behind the Vijay Ghat, and about 200 hutments were burnt, and three persons were injured. I thought that the Government would also give us some idea about this second fire which took place after that first fire. I thought that they would include this at least in the statement. But this Government, I think, does not care for the poor people's well-being. In the morning also I requested. At least such incidents which took place after the first fire should have been brought in the statement. But the Government has completely ignored them.

Madam Deputy Chairman, the call to the Fire Brigade was given at seven o'clock. Who was the person who gave that call to the Fire Brigade? If the call was given at seven o'clock, the fire might have taken place not much earlier. So, I want to know whether the Government has found out at what time the fire took place. I have read in the newspapers that it was about eight or nine o'clock in the night. If that was so, there should have been some smell. If that was so, why was it not informed in time so that this fire could have been controlled earlier?

Secondly, when the call was made to the Fire Brigade, I want to know whether any of the Secretary of the Government departments or offices which are located there, were informed and whether the Ministers of the departments whose offices are located there were informed or not. If they were informed, I want to know whether they rushed to that place to give guidance, and to see how things can be saved.

Thirdly, we have been told that old files and old furniture were stored in that room, and from that room the fire started. So, I would like to know for what reasons the discarded furniture was kept in that place. Why was it not disposed of? If the old files were not required, why were they kept in such a costly place and why were they not kept in such a place where the cost of the land and the cost of the building is very low? I think that the Government's statement is only an eye-wash because if the old files were not required, they need not have been kept there.

Madam, another aspect which I would like to know from our Minister

is that as regards the Vigyan Bhavan fire a high-level committee has been appointed to enquire into the cause of the fire. Why a high-level inquiry committee has not been appointed to go into the question of fire in Shastri Bhavan where Government offices are located? I feel the Government does not want to give the correct picture. This is not a case of short-circuit. Fire Officers who had gone there are also of the view that this is something else. This may be a deliberate attempt by someone. I would not like to name, but it may be a case of sabotage. If it is a case of sabotage, then who are the persons behind that? The Government must find it out. At least the Government must give some information in regard to all this. It should let us know whether it is a starting point. To what extent the damage has been done to the people and to what extent the old records that were there have been damaged and to which department they related? What type of records they were? They might have been deliberately burnt. They might have been very important records. I would like the hon. Minister to throw some light on the points which have been raised.

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : महोदया, बहुत सारी बातें इस संबंध में कही गई हैं । मैं बहुत आश्चर्य में हूं कि पिछले दिनों देश में जो आग लगी हुई थी उस आग को हमारे नेताओं ने और हमारी सरकार ने तो बुझा दिया लेकिन दिल्ली में इस तरह की जो आगजनी की घटनायें रोज हो रही हैं उसको यह नहीं बुझा पा रहे हैं । पिछले 15-20 दिनों के अंदर जो दिल्ली में आगजनी की घटनायें हुई हैं मैं समझता हूं कि पिछले एक वर्ष में दिल्ली में नहीं हुई हैं । मैं सरकार से और मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या इसमें कोई पेशेवर अपराधी तो नहीं लगे हुए हैं जो इस तरह का काम करते हैं ? पेशेवर अपराधियों से मेरा तात्पर्य यह है कि जो लोग हत्यायें करते हैं, जो लोग चोरी करते हैं, वैसे गिरोह के लोग होते हैं जो एक ही तरीके से इस्तेमाल करते हैं और पुलिस उस आधार पर छान-बीन कर लेती है । क्या यह आग की जो घटनायें हो रही हैं इससे किसी तरह का कहीं कोई पेशेवर गिरोह तो नहीं है ? इस बात की तहकीकात करनी चाहिए । दूसरी बात, मैं यह जानना चाहता हूं, अपने मित्र से कि यह जो आगजनी की घटनायें हुई हैं उसमें अब तक कितने लोग पकड़े गए हैं ? यदि कुछ लोग पकड़े गए हैं तो उनसे अब तक क्या जानकारी मिली है ? यह जानकारी हम लोगों को भी मिलनी चाहिए । मैडम, तीसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं आपके माध्यम से कि जिस तरह से आग की लपटें आगे की ओर बढ़ रही हैं,पहले विज्ञान भवन में आग लगी, झुग्गी-झोंपड़ियों में आग लगी, शास्त्री भवन में आग लगी, इससे यह पता चलता है कि यह आग संसद भवन की ओर भी चली आ रही है । इसलिए मंत्री महोदय कृपया यह भी बताने का कष्ट करें कि क्या यह भी खतरा है कि संसद भवन में आग लग जा सकती है ? इसलिए मैं कहा रहा हूं कि जिस तरह से चारों ओर आग की लपटें और धुआं देखने में आ रहा है उससे यह लगता है कि जो भी सरकार की बड़ी-बड़ी बिल्डिंग्ज हैं, हमारे मित्र भाई ने राष्ट्रपति भवन की बात कही, प्रधान मंत्री भवन की बात कही है उस तरह से यह खतरा यहां का है,और यह संसद भवन जो है यह राष्ट्र की धरोहर है और सारी बिल्डिंगें राष्ट्र की धरोहर है, इसीलिए इसको गंभीरता के साथ लेना चाहिए । मैं समझता हूं कि जिस तरह गृह राज्य मंत्री महोदय आग लगने के बाद तुरन्त गए, वैसे ही यह भी तहकीकात करेंगे जिससे कि आगे भविष्य में आग लगने की यह चर्चा इस सदन में न हो सके ?

6.00. P.M.

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : महोदया, मेरे से पूर्व में बोलने वाले कई साथियों ने काफी कुछ प्रश्न कर लिए हैं, मैं यह महत्वपूर्ण जानकारी आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि क्या यह सही है कि शास्त्री भवन को फायर फाइटिंग इक्विपमेंटस की कमी की वजह से असुरक्षित घोषित किया गया था ? यदि यह सही है कि उसे असुरक्षित घोषित कर दिया

गया था जैसा कि फायर चीफ मि० ढरी ने कुछ लोगों को बताया है . . . । जो समाचार पत्रों में भी प्रकाशित हुआ है तो फिर शास्त्री भवन को उपयोग में क्यों लाया जा रहा है ? इस संबंध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ? दूसरे महोदया, लगता यह है कि मंत्रीजी वचकाना भरा वक्तव्य लाने के आदी हो गए हैं । उन्होंने अपने वक्तव्य में इसे मध्यम श्रेणी का आग बताया है मैं जानना चाहूंगा कि इस में अनुमानित कितनी हानि हुई है ? तीसरे सरकार की तरफ से यह बताया गया है कि एक फायर मैन जख्मी हो गया है । उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है । तो उसे अभी तक क्या वित्तीय सहायता और अन्य प्रकार की सहायता प्रदान की गयी है ? इसका उल्लेख मंत्री जी के वक्तव्य में नहीं है । चौथे जो वुडन पार्टीशन की बात कही गयी है कि कॉरीडोर के वुडन पार्टीशंस को हटाने के लिए सरकार ने निदेश दिए है ।, तो प्रश्न निदेश का नहीं है । निदेश देने मात्र से काम नहीं चलेगा । अमल क्या हुआ है, यह देखने से काम चलेगा । क्या मंत्रीजी को तरफ से ऐसे प्रयास किए गए हैं, वुडन पार्टीशंस को कारीडार से हटाने के लिए जो निदेश दिए गए हैं, उन पर अभी तक क्या अमल हुआ है और अगर अमल नहीं हुआ है तो वहां से वे क्या कार्यवाही करने जा रहे हैं ताकि यदि दुर्भाग्यवश ऐसी जगह आग लग जाय तो वह आग और न फैल पाए । एक बात मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या सरकार की तरफ से ऐसा कोई व्यवस्था है कि ऐसे भवनों में जहां कि इलैक्ट्रिक फिटिंग्स है, वहां पर समय-समय पर चैकिंग की जा सके ताकि शार्ट सर्किट होने की वजह से आग लगने की गुजाइश से बचा जा सके । इस में जांच रिपोर्ट की बात कही गयी है। मैं यह भी जानना चाहूंगा कि वह जांच रिपोर्ट कब तक आ पाएगी ? क्या सरकार ने इस सम्बंध में कोई आदेश दिए हैं कि राजधानी की जिन सरकारी और गैर सरकारी इमारतों में निर्धारित मापदण्ड के अनुसार आग बुझाने के पूरे साधन उपलब्ध नहीं हैं तो उनका प्रयोग नहीं किया जाए ? क्या ऐसे निर्देश दिए गए हैं ? यदि हां तो ऐसी कितनी इमारतें हैं और उन्हें क्या नोटस दिए गए हैं। महोदया, मेरा अंतिम प्रश्न मंत्री जी से सम्बंधित है। मंत्री जी ने यह तो बताया कि आग लगने की सूचना कब मिली और आग कब बुझी। मैं यह जानना चाहूंगा कि मंत्री जी कितने बजे शास्त्री भवन पहुंचे ? जब आग लग रही थी। तब या जब आग पर काबू पा लिया गया था तब ?

Statement by Minister—II scheme of debt relief to farmers, artisans and bankers.

उपसभापति : श्री चौधरी हीर सिंह . . . फायनेंस मिनिस्टर जी को एक छोटा सा स्टेटमेंट देना है। उन्हें वर्ल्ड बैंक की मीटिंग में जाना है, इसलिए अगर आप . . . (**व्यवधान**) . . .

एक माननीय सदस्य : स्टेटमेंट की नोटिस नहीं दी है ।

THE MINISTER OF FINANCE PROF. MADHU DANDAVATE): It is not a controversial statement, just listen me.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया . . . (**व्यवधान**) . . . आप सोमवार को करिएगा स्टेटमेन्ट ।

PROF. MADHU DANDAVATE: I am appealing to you because I am going for the World Bank meeting. That is why this statemen today.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : आप वर्ल्ड बैंक की मीटिंग कर आइएगा । उसके बाद करिए । आपका मिनिस्टर आफ स्टेट करेगा । . . . (**व्यवधान**) . . . आप बिना नोटिस के नहीं दे सकते ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think, sometimes the House should also be cooperative about the difficulty of the Minister . . . (*Interruptions*) . . .

He is not taking you for a ride.